Ans. (a) : पलाश के वन राजस्थान के अलवर, अजमेर, उदयपुर, राजसमन्द व चित्तौड़गढ़ जिलों में पाये जाते हैं। इसका वैज्ञानिक नाम व्यूटिया मोनोस्पर्मा है। सूर्ख लाल एवं पीले रंग के फूलों के कारण इसे जंगल की ज्वाला भी कहा जाता है।

1973. ''रोतू'' राजस्थान के _____जिले का आरक्षित वन्य क्षेत्र है।

(a) बीकानेर (b) चित्तौड़गढ़
(c) चुरु (d) नागौर

उद्योग निरीक्षक भर्ती परीक्षा- 2018 (24 जून, 2018)

Ans. (d) रोतू राजस्थान के नागौर जिले का आरक्षित वन्य क्षेत्र है। यह चिंकारा, हार्स और काले हिरणों का घर हैं। आरक्षित वन्य ऐसे वन है, जिनपर पूरा नियत्रंण सरकार का होता है एवं इसमें प्रवेश करने, लकड़ी काटने व चराई पर पूर्ण प्रतिबन्ध रहता है।

1974. राजस्थान में किस प्रकार के प्रशासनिक वन क्षेत्र सर्वाधिक पाये जाते हैं?

(a) सुरक्षित वन
(b) रक्षित वन
(c) अवर्गीकृत वन
(d) वर्जित वन

उद्योग प्रसार अधिकारी -2018 (22 जुलाई, 2018)
कनिष्ठ वैज्ञानिक सहायक रसायन 2019

Ans. (a) राजस्थान में कुल वन क्षेत्र 32,864.62 वर्ग किमी0 है जिसका प्रशासनिक वर्गीकरण तीन भागों में किया गया है। आरक्षित वन क्षेत्र (Reserved Forest) के अतंर्गत 12,176.24 वर्ग किमी0 क्षेत्र, सुरक्षित वन क्षेत्र (Protected Forest) के अंतर्गत 18,564.45 वर्ग किमी. तथा अवर्गीकृत वन क्षेत्र (Unclassified Forest) के अंतर्गत 2,123.93 वर्ग किमी. क्षेत्र आते हैं। इस प्रकार विकल्प (a) सत्य है।

1975. राजस्थान के किन जिलों में सबसे ज्यादा 'आरक्षित वन्य क्षेत्र' है?

(a) उदयपुर और चित्तौड़गढ़
(b) जैसलमेर और बीकानेर
(c) डूंगरपुर और कोटा
(d) जोधपुर और श्रीगंगानगर

स्टेनोग्राफर भर्ती परीक्षा-2019 (21 मार्च, 2021)

Ans. (a) राजस्थान के उदयपुर और चित्तौड़गढ़ जिलों में सबसे ज्यादा आरक्षित वन क्षेत्र हैं। राज्य में कुल अभिलिखित वन क्षेत्र 32,864.62 वर्ग किमी. है, जिसका वर्गीकरण आरक्षित वन (127.24वर्ग किमी.) सुरक्षित वन (18,564.45वर्ग किमी.) एवं अवर्गीकृत वन (2123.93 वर्ग किमी.) में किया गया है।

1976. कौन सा जोड़ा सही सुमेलित नहीं है?

(a) सदाबहार वन-सिरोही
(b) सालर वन-अलवर
(c) झाड़ी वन- नागौर
(d) जेरोफाइटिक वनस्पति-धौलपुर

पुस्तकालय (लाइब्रेरियन) भर्ती परीक्षा- 2019

Ans. (d)
सदाबहार-वन- ये वन राजस्थान राज्य के सिरोही जिले के, माउंट आबू के इर्द-गिर्द पाये जाते है। यहाँ मुख्य रूप से सिरिस, बाँस, बेल जामुन, रोहिड़ा आदि वृक्ष पाये जाते है।
झाड़ी वन- ये वन राजस्थान के जैसलमेर, बाड़मेर बीकानेर, जोधपुर, नागौर, चरू, सीकर, झुझुनू, जालौर गंगानगर व हनुमानगढ़ जिलों में पाये जाते है। इन वनों की मुख्य वनस्पतियां खेजड़ी, बबूल, केर, कोकर, बेर व अन्य कंटीली झाड़िया हैं।
सालर वन- ये वन राजस्थान के उदयपुर, अलवर, चित्तौड़गढ़, राजसमन्द तथा बारां जिलों में पाये जाते हैं। इस वनों के प्रमुख वृक्ष सालर, धोक, कठिरा व धावड़ है।
जेरोफाइटिक वनस्पति- इस प्रकार की वनस्पति पश्चिमी मरूस्थल शुष्क प्रदेशों में पायी जाती है। इनका विस्तार राजस्थान के जैसलमेर, बाड़मेर, बीकानेर, चुरू, नागौर, झुंझुनू आदि जिलों में हैं।

1977. 'मरुस्थल का कल्पवृक्ष' कहलाता है-

(a) पीपल (b) खेजड़ी
(c) बबूल (d) नीम

पुस्तकालय (लाइब्रेरियन) भर्ती परीक्षा- 2019

Ans. (b) खेजड़ी वृक्ष को 'राजस्थान का कल्पवृक्ष' कहा जाता है। इसे रेगिस्तान का कल्पवृक्ष भी कहते है। इसका वास्पतिक नाम प्रोसोविस सिनेरिया है। राजस्थान में खेजड़ी वृक्ष का धार्मिक महत्व भी है।

1978. आर्थिक समीक्षा 2017-18 के अनुसार राजस्थान में राष्ट्रीय बागवानी मिशन के लिए चयनित जिलों की संख्या -

(a) 22 (b) 23
(c) 24 (d) 25

प्रयोगशाला सहायक-2018 (03 फरवरी 2019)

Ans. (c) आर्थिक समीक्षा 2017-18 के अनुसार राजस्थान में राष्ट्रीय बागवानी मिशन के लिए चयनित जिलों की संख्या 24 थी। बागवानी फसलों के सम्पूर्ण विकास को बढ़ावा देने के लिए केन्द्र सरकार द्वारा राष्ट्रीय बागवानी मिशन कार्यक्रम 2005-06 से चलाया जा रहा है।

1979. आदिवासियों के 'हरे सोने' के नाम से जाना जाने वाला वृक्ष है:

(a) सालर (b) धोकड़ा
(c) बाँस (d) गूलर

प्रयोगशाला सहायक-2018 (03 फरवरी 2019)

Ans. (c)बॉस को पेड़ नही बल्कि घास वर्ग में शामिल किया गया है। परन्तु भारतीय वन (संशोधन) अध्यादेश-2017 के अनुसार अब गैर वन क्षेत्र में उगाए गए बांस को वृक्ष की श्रेणी में माना जाएगा। बांस का पौधा हिमालयी क्षेत्र से लेकर रेगिस्तानी क्षेत्रों तक फैले है। दुर्गम क्षेत्रों में रहने वाले आदिवासी समुदाय के लिए बांस भोजन से लेकर जीविकोपार्जन तक का साधन है जिसके कारण बांस को आदिवासियों का 'हरा सोना' कहा जाताहै।

1980. राजस्थान में कितने मृग वन है-

(a) 5 (b) 6
(c) 4 (d) 7

Live Stock Assistant (Tsp Area)- 16.10.2016